दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, बुधवार, 15 जून 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-04, अंक- 257

महत्वपूर्ण एवं खास

जम्मू-कश्मीर में भूकंप के झटके, रिक्टर स्केल पर 5.1 थी तीव्रता

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू कश्मीर में मंगलवार को भूकंप के चलते धरती कांप गई। दोपहर 1 बजकर 05 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। जैसे ही धरती हिली लोगों के अंदर अफरा-तफरी मच गई। दहशत से लोग घरों से बाहर निकल गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.1 मापी गई है। जानकारी के मुताबिक भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान-ताजिकिस्तान बताया जा रहा है। फिलहाल भूकंप के झटकों से अभी तक किसी बड़े नुकसान का पता नहीं चला है। भूकंप विज्ञान के लिए बने राष्ट्रीय केंद्र ने ट्वीट करते हुए जानकारी दी कि भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान-ताजिकिस्तान में था। हालांकि में पता चला कि भूकंप के झटके जम्मू कश्मीर तक महसूस हुए है। जम्मू कश्मीर में हाल ही में 11 जून को भी भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। देर रात भूकंप के झटके आए, जिसकी रिक्टर स्केल पर तीव्रता 3.7 मापी गई थी।

सड़क हादसे में दो पुलिसकर्मियों सहित तीन लोगों की हुई मौत

इन्दौर (आरएनएस)। 15 वी बटालियन में पदस्थ दो पुलिसकर्मी अपने एक दोस्त के साथ बीती रात कार से जा रहे थे घूमने। सिमरोल और कनाड गाँव के बीच तेज रफ्तार आयसर ट्रक ने कार को टक्कर मार दी। हादसे में तीनो की मौके पर ही मौत हो गई। सिमरोल पुलिस ने मर्ग कायम कर तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा। मृतकों की पहचान आरक्षक कुलदीप पिता राधेश्याम 28 साल निवासी 15 वी बटालियन इंदौर, आरक्षक धर्मेंद्र पिता महेश 28 निवासी 15 वी बटालियन मूल निवासी बालाघाट और विनोद पिता भीकाराम 32 वर्ष निवासी कन्नौद है।

ट्रक और ऑटो की टक्कर में 5 बारातियों की मौत, 4 घायल

भागलपुर (आरएनएस)। बिहार के भागलपुर जिले के झंडापुर सहायक थाना क्षेत्र में सोमवार की देर रात ऑटो और ट्रक की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई। ऑटो बारातियों को लेकर नारायणपुर जा रही थी। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि पूर्णिया रुपौली थाना क्षेत्र के रामपुर परिहर गोखली टोला गांव के रहने वाले वरुण मंडल की शादी नारायणपुर में सोमवार की रात होनी थी। इसी क्रम में आठ से नौ बाराती एक ऑटो पर सवार होकर नारायणपुर जा रहे थे। बगडी डाला गांव के समीप खगडिय़ा की ओर से आ रही ट्रक ने बारातियों को लेकर जा रहे ऑटो को टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में घटनास्थल पर ही पांच लोगों की मौत हो गई। झंडापुर सहायक थाना के प्रभारी भूपेंद्र कुमार ने मंगलवार को बताया कि मृतकों की पहचान झठु मंडल, पिंकू मंडल, मदन मोहन मंडल, गजाधर मंडल एवं ऑटो चालक राजेंद्र शाह के रूप में की गई है। उन्होंने बताया कि घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है, जहां उनकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। ट्रक और ऑटो को जब्त कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

इलाज के लिए सिंगापुर जायेंगे लालू प्रसाद यादव

रांची (आरएनएस)। राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के लिए विदेश जाकर इलाज कराने का रास्ता साफ हो गया है। रांची स्थित सीबीआई स्पेशल कोर्ट ने मंगलवार को उनका पासपोर्ट रिलीज करने का आदेश दिया है। चारा घोटाला का मामला सामने आने के बाद वर्ष 1996 में लालू प्रसाद यादव का पासपोर्ट जब्त कर लिया गया था। लालू प्रसाद यादव ने हाल में अदालत में याचिका दायर कर दरख्वास्त लगायी थी कि उन्हें किडनी, शुगर सहित अन्य बीमारियों के इलाज के लिए सिंगापुर जाने की जरूरत है, इसलिए उनका पासपोर्ट रिलीज किया जाये। पहले इस मामले की सुनवाई 10 जून को निर्धारित थी, लेकिन अदालत की कार्यवाही उस दिन स्थगित हो गयी। मंगलवार को सीबीआई के स्पेशल जज दिनेश राय की कोर्ट में याचिका पर सुनवाई हुई। लालू प्रसाद यादव के अधिवक्ता प्रभात कुमार ने बताया कि सुनवाई के बाद कोर्ट ने पासपोर्ट रिलीज करने की मंजूरी दे दी है। उम्मीद की जा रही है कि बुधवार तक लालू प्रसाद यादव को उनका पासपोर्ट मिल जाएगा। लालू प्रसाद यादव को चारा घोटाले के चार अलग-अलग मामलों में अब तक कुल मिलाकर साढ़े बत्तीस वर्ष की सजा सुनाई गयी है। वह इन दिनों जमानत पर हैं। हाल तक वह इलाज के लिए दिल्ली एम्स में भर्ती थे।

देश का सबसे बड़ा रेस्क्यू ऑपरेशन सफल: 105 घंटे के बाद बोरवेल में फंसे राहुल साहू को सकुशल बाहर निकाला गया

रायपुर। बोरवेल में फंसे राहुल को आखिरकार 105 घण्टे रेस्क्यू के पश्चात सकुशल बाहर निकाल लिया गया। ऑपरेशन राहुल-हम होंगे कामयाब के साथ राहुल के बचाव के लिए लगभग 65 फीट नीचे गड्ढे में उतरी रेस्क्यू दल ने कड़ी मशक्कत के बाद राहुल को सुरक्षित बाहर निकाला। राहुल जैसे ही सुरंग से बाहर आया। उसने आँखे खोली और एक बार फिर दुनिया को देखा। यह क्षण सबके लिए खुशी का एक बड़ा पल था। पूरा इलाका राहुलमय हो गया।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा बोरवेल में फंसे राहुल को सुरक्षित निकालने के लिए जिला प्रशासन को विशेष निर्देश दिए गए थे। आखिरकार देश के सबसे बड़े रेस्क्यू अभियान को कलेक्टर जितेंद्र कुमार शुक्ला के नेतृत्व में अंजाम दिया गया। सुरंग बनाने के रास्ते में बार-बार मजबूत चट्टान आ जाने से 4 दिन तक चले इस अभियान को रेस्क्यू दल ने अंजाम देकर मासूम राहुल को एक नई जिंदगी दी है। इस रेस्क्यू के सफल होने से देशभर में एक खुशी का माहौल बन गया।

राहुल को बाहर निकाले जाने के बाद मौके पर मौजूद चिकित्सा दल द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य जांच की गई। मुख्यमंत्री के निर्देश पर राहुल को तत्काल ही बेहतर उपचार के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाकर अपोलो अस्पताल बिलासपुर भेज गया। बहरहाल राहुल साहू के सकुशल बाहर निकाल लिए जाने से सभी ने राहत की सांस ली है।

जांजगीर-चाम्पा जिले के अंतर्गत मालखरौदा ब्लॉक के ग्राम पिहरीद में 11 वर्षीय बालक राहुल साहू अपने घर के पास खुले हुए बोरवेल में गिरकर फंस गया था। 10 जून को दोपहर लगभग 2 बजे अचानक घटी इस घटना की खबर मिलते ही जिला प्रशासन की टीम कलेक्टर जितेंद्र कुमार शुक्ला के नेतृत्व में तैनात हो गई। समय रहते ही ऑक्सीजन की व्यवस्था कर बच्चे तक पहुंचाई गई। कैमरा लगाकर बच्चे की गतिविधियों पर नज़र रखने के साथ उनके परिजनों के माध्यम से बोरवेल में फंसे राहुल पर नजर रखने के साथ उनका मनोबल बढ़ाया जा रहा था। उसे जूस, केला और अन्य खाद्य सामग्रियां भी दी जा रही थी। विशेष कैमरे से पल-पल की निगरानी रखने के साथ ऑक्सीजन की सप्लाई भी की जा रही थी। आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था और एम्बुलेंस भी तैनात किए गए थे। राज्य आपदा प्रबंधन टीम के अलावा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन (एनडीआरएफ) की टीम ओडिशा के कटक और भिलाई से आकर रेस्क्यू में जुटी थी। भारतीय सेना के कर्नल चिन्मय पारीक अपने टीम के साथ इस मिशन में जुटे थे। रेस्क्यू से बच्चे को सकुशल निकालने के लिए हर सम्भव कोशिश की गई।

देश के सबसे बड़े रेस्क्यू के पहले दिन 10 जून की रात में ही राहुल को मैनुअल क्रेन के माध्यम से रस्सी से बाहर लाने की कोशिश की गई। राहुल द्वारा रस्सी को पकड़ने जैसी कोई प्रतिक्रिया नहीं दिए जाने के बाद परिजनों की सहमति और एनडीआरएफ के निर्णय के पश्चात तय किया गया कि बोरवेल के किनारे तक खुदाई कर रेस्क्यू किया जाए। रात लगभग 12 बजे से पुनः अलग-अलग मशीनों से खुदाई प्रारंभ की गई। लगभग 60 फीट की खुदाई किए जाने के पश्चात पहले रास्ता तैयार किया गया। एनडीआरएफ और सेना के साथ जिला प्रशासन की टीम ने ड्रीलिंग करके बोरवेल तक पहुंचने सुरंग बनाया। सुरंग बनाने के दौरान कई बार मजबूत चट्टान आने से इस अभियान में बाधा आई। बिलासपुर से अधिक क्षमता वाली ड्रिलिंग मशीन मंगाए जाने के बाद बहुत ही एहतियात बरतते हुए काफी मशक्कत के साथ राहुल तक पहुचा गया। आज सेना,एनडीआरएफ के जवानों द्वारा रेस्क्यू कर राहुल को बाहर निकाला गया। मौके पर ही चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण की गई और बेहतर उपचार के लिए उसे ग्रीन कॉरिडोर बनाकर अपोलो अस्पताल ले जाया गया। बहरहाल 104 से अधिक घण्टे तक चले इस रेस्क्यू ऑपरेशन में राहुल साहू के जीवित बाहर निकाल लिए जाने से सभी ने राहत की सांस ली। पिता लाला साहू, माता गीता साहू सहित परिजनों ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित कलेक्टर, जिला प्रशासन के अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और एनडीआरएफ, सेना, एसडीआरएफ सहित सभी का विशेष धन्यवाद दिया।

कलेक्टर सहित सभी अफसर दिन रात रहे मुस्तैद- राहुल के सलामती के लिए जहाँ दिन-रात पर दुआओं का दौर चला। वहीं घटनास्थल पर इस ऑपरेशन के पूरा होने तक कलेक्टर जितेंद्र कुमार शुक्ला, पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल सहित तमाम अफसर रात भर घटनास्थल पर रेस्क्यू पर निगरानी रखे हुए थे।

सिरफिरे आशिक ने शादी से इंकार करने पर युवती पर उड़ेला तेजाब, मौत

गोपालगंज (आरएनएस)। बिहार के गोपालगंज जिले के फुलवरिया थाने में एक सिरफिरे आशिक के हद से गुजरने की कीमत एक युवती को अपनी जान देकर चुकानी पड़ी।

सिरफिरे आशिक ने शादी से इंकार करने पर अपने दोस्तों के साथ मिलकर अपनी कथित प्रेमिका पर तेजाब से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। सिरफिरे आशिक को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस के मुताबिक, मीरगंज के रहने वाले कृष्णा कुमार की बहन की शादी करिरया ठकुराई गांव में हुई थी। इसी क्रम में वह अपनी बहन के घर आता था। पास में ही युवती का घर था। इसी दरम्यान दोनो में दोस्ती हुई और फिर नजदीकियां बढ़ गई। बताया जाता है कि दोनों में फोन से लंबी बातचीत भी होने लगी। इसी दौरान युवती की कहीं और शादी ठीक हो गई और सात मई को सगाई भी हो गई। इस बात से कृष्णा नाराज हो गया और आरोप है कि सात मई की रात कृष्णा अपने मित्रों के साथ पहुंचा और सोए अवस्था में युवती पर तेजाब से हमला कर दिया और फरार हो गया।

युवती को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां से पहले गोरखपुर और फिर लखनऊ रेफर कर दिया गया। अंतत: सोमवार को युवती की मौत हो गई।

गोपालगंज के पुलिस अधीक्षक आनंद कुमार ने मंगलवार को बताया कि पीड़िता के बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है तथा आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि सभी साक्ष्य इक_ा किए गए हैं। जल्द ही स्पीडी ट्रायल कर आरोपी को सजा दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

रोजगार पर एक्शन में मोदी सरकार, मंत्रालयों और विभागों से 1.5 साल में 10 लाख नौकरी देने का निर्देश

नई दिल्ली (आरएनएस)। रोजगार के मुद्दे पर मोदी सरकार बड़ा प्लान तैयार कर रही है। पीएमओ की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक अगले डेढ़ साल में ही केंद्र सरकार के तमाम विभागों में 1.5 लाख पदों पर भर्ती की जा सकती है। पीएमओ इंडिया अकाउंट से इस संबंध में जानकारी देते हुए ट्वीट किया गया है, 'पीएम नरेंद्र मोदी ने सभी मंत्रालयों एवं विभागों में मानव संसाधन की समीक्षा की है। इसके साथ ही उन्होंने सरकार को आदेश दिया है कि अगले डेढ़ सालों में इस पर मिशन मोड में काम किया जाए और 10 लाख लोगों को भर्ती किया जाए।'

मोदी सरकार का यह फैसला रोजगार की मांग कर रहे युवाओं के लिए बड़ी खबर है। पटना, इलाहाबाद जैसे शहरों में युवा रेलवे भर्ती के लिए प्रदर्शन कर चुके हैं। मोदी सरकार पर हमला करते हुए अकसर उस पर रोजगार न दे पाने का आरोप लगाता रहा है। खासतौर पर नोटबंदी, जीएसटी और फिर कोरोना काल में अर्थव्यवस्था की विकास दर धीमी होने के चलते निजी क्षेत्र में भी नौकरियों के अवसर ज्यादा नहीं निकल पा रहे हैं। ऐसे में मोदी सरकार का यह ऐलान सरकारी नौकरी की चाह रखने वाले युवाओं के लिए बड़ी खुशखबरी है।

बीते साल केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने राज्यसभा में एक सवाल के जवाब में बताया था कि केंद्र सरकार के विभागों में 1 मार्च, 2020 तक 8.72 लाख पद खाली थे। ऐसे में साफ है कि फिलहाल यह आंकड़ा बढ़कर 10 लाख के करीब हो गया होगा, जिन पर भर्ती के लिए पीएम नरेंद्र मोदी ने आदेश दिया है। जितेंद्र सिंह ने बताया था कि केंद्र सरकार के समस्त विभागों में कुल 40 लाख 4 हजार पद हैं, जिनमें से 31 लाख 32 हजार के करीब कर्मचारी नियुक्त हैं। इस तरह 8.72 लाख पदों पर भर्ती की जरूरत है। यही नहीं 2016-17 से 2020-21 के दौरान भर्तियों का आंकड़ा देते हुए जितेंद्र सिंह ने कहा था कि एसएससी में कुल 2,14,601 कर्मचारी भर्ती किए गए हैं। इसके अलावा आरआरबी ने 2,04,945 लोगों को नियुक्ति दी है। वहीं यूपीएससी ने भी 25,267 उम्मीदवारों का चयन किया है।

अमरनाथ यात्रा को निशाना बनाने के लिए भेजे गए तीन आतंकी ढेर, पाकिस्तान निर्मित दवाएं व हथियार बरामद

श्रीनगर (आरएनएस)। पाकिस्तान की ओर से अमरनाथ यात्रा में हमले के लिए भेजे गए लश्कर ए ताइबा के दो पाकिस्तानी समेत तीन आतंकियों को पुलिस ने बीती देर रात मुठभेड़ में मार गिराया। मारे गए आतंकियों से दो एके 47 राइफल, मैट्रिक्स शीट, वाई एसएमएस डिवाइस, पाकिस्तान निर्मित दवाएं तथा अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई हैं।

पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) कश्मीर विजय कुमार ने कहा कि दस्तावेजों और अन्य आपत्तिजनक सामग्रियों के अनुसार, मारे गए आतंकवादियों में से एक की पहचान पाकिस्तान के फैसलाबाद निवासी अब्दुल्ला गौरी के रूप में हुई है।

उन्होंने कहा, श्रीनगर के बेमिना इलाके में एक मुठभेड़ में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर के दो आतंकवादियों को श्रीनगर पुलिस ने मार गिराया है। पाकिस्तान स्थित आकाओं ने पहलगाम अनंतनाग के एक स्थानीय आतंकवादी आदिल हुसैन मीर के साथ लश्कर के दो पाकिस्तानी आतंकवादियों को भेजा था, जो 2018 से पाकिस्तान में है। अब तीनों मारे गए हैं, जिन्हें यात्रा पर हमला करने के इरादे से भेजा गया था।

कार्रवाई ऐसे समय में हुई है, जब 30 जून से शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा के लिए कश्मीर घाटी में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। इससे पहले, सोमवार को, जम्मू और कश्मीर प्रशासन ने वार्षिक तीर्थयात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों के लिए आधार प्रमाणीकरण अनिवार्य कर दिया था।

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी एक अधिसूचना में कहा, आधार प्रमाणीकरण के लिए सुशासन (सामाजिक कल्याण, नवाचार, ज्ञान) नियम 2020 के नियम 5 के अनुसरण में, केंद्र सरकार के पूर्व अनुमोदन से जम्मू और कश्मीर सरकार एतद्द्वारा अधिसूचित करती है कि श्री अमरनाथजी तीर्थ की तीर्थयात्रा करने के इच्छुक तीर्थयात्री आधार या आधिकारिक राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से स्वैच्छिक आधार प्रमाणीकरण से गुजरना होगा।

आईजीपी कुमार ने आगे कहा कि 2022 में अब तक जम्मू-कश्मीर में 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए हैं। इन 100 निष्प्रभावी आतंकवादियों में से 71 स्थानीय आतंकवादी और 29 विदेशी आतंकवादी हैं। अधिकतम आतंकवादी (63) लश्कर के हैं, जबकि 24 जैश-ए-मोहम्मद के हैं।

एके-47 बरामदगी मामले में अनंत सिंह दोषी करार, 21 जून को होगी सजा

नई दिल्ली (आरएनएस)। मोकामा के बाहुबली विधायक अनंत सिंह को एके-47 और हैंड ग्रेनेड बरामदगी मामले में दोषी करार दिया गया है। उन्हें एमपी-एमएलए कोर्ट ने दोषी करार दिया है। सजा का ऐलान 21 जून को किया जाएगा। छोटे सरकार के नाम से मशहूर अनंत सिंह के ठिकाने से एके-47 राइफल और हैंड ग्रेनेड बरामद किया गया था। हालांकि, मोकामा से विधायक अनंत सिंह इन आरोपों को खारिज करत रहे हैं, लेकिन अब इसी मामले में विशेष अदालत ने उन्हें दोषी करार दिया है। बिहार की राजनीति के लिहाज से यह बड़ा घटनाक्रम है।

बता दें कि पटना के एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष जज त्रिलोकी दुबे ने मंगलवार को इस केस के फैसले की तारीख तय की थी। गौरतलब है कि बिहार के बाहुबली विधायक माने जाने वाले अनंत सिंह के खिलाफ चल रहे इस मामले को बिहार सरकार ने विशेष कांड की श्रेणी में रखा था। आरोपी के खिलाफ ट्रायल के लिए विशेष लोक अभियोजक को नियुक्त किया गया था इस मामले का स्पीडी ट्रायल भी चलाया गया और अब फैसला भी आ गया है।

राजनाथ सिंह ने किया 'अग्निपथ योजना' का ऐलान, अब सेना में चार साल के लिए भर्ती होंगे युवा

नई दिल्ली (आरएनएस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सैनिकों की भर्ती के लिए आज औपचारिक तौर पर अग्निपथ योजना का ऐलान कर दिया। केंद्र सरकार ने सेना भर्ती के नियमों में बड़ा बदलाव किया है। अब सरकार सेना में अग्निपथ योजना के तहत भर्तियां करेगी। जिसके तहत युवाओं की सेना में केवल 4 साल के लिए भर्ती की जाएगी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बाद में एक संवाददाता सम्मेलन में तीनों सेनाओं के प्रमुखों की मौजूदगी में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अब तीनों सेनाओं में अग्निपथ योजना के तहत ही जवानों यानी अग्निवीरों की भर्ती की जायेगी। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य सेनाओं को चुस्त दुरूस्त , युवा तथा जोश और उत्साह से परिपूर्ण बनाना है। इससे देश की

सुरक्षा व्यवस्था तो मजबूत होगी , साथ ही इसके जरिये युवाओं को देश सेवा करने का मौका मिलेगा और उनमें देशप्रेम की भावना भी पैदा होगी।

सिंह ने कहा कि इस योजना से युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी बढेंगे तथा चार वर्ष के बाद जब ये युवा सेना से बाहर आयेंगे तो देश को विभिन्न कौशलों से लैस युवा जनशक्ति भी मिलेगी। उन्होंने कहा कि इन युवाओं को अच्छा वेतन तथा सेना से बाहर आने के बाद अच्छा सेवा निधि पैकेज भी दिया जायेगा। सेना में कार्यरत रहने के दौरान यदि किसी अग्निवीर की मौत हो जाती है तो उसके परिजनों को बीमे के रूप में अच्छी खासी राशि दी जायेगी।

उन्होंने कहा कि यह योजना विदेशों की योजनाओं का अध्ययन कर युवाओं को ध्यान में रखकर बहुत सोच समझकर तैयार की गयी है और इसे किसी की नकल नहीं कहा जा सकता। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि इस योजना को संदेह की दृष्टि से नहीं देखा जाना चाहिए। यह कयास भी नहीं लगाये जाने के लिए सेनाओं में खर्च कम करने तथा बचत के लिए सरकार यह योजना लेकर आयी है। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा के लिए सरकार कितना भी खर्च करने से पीछे नहीं हटेगी।

एक सवाल के जवाब में रक्षा मंत्री ने कहा कि नये प्रमुख रक्षा अध्यक्ष यानी चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ सीडीएस की नियुक्त जल्दी ही की जायेगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए जरूरी कदम उठाये जा रहे हैं।

25 फीसदी युवाओं को दोबारा मिलेगा मौका- चार साल की सेवा के बाद रिटायर होने वाले 25 प्रतिशत युवाओं को फिटनेस के आधार पर सेवा का फिर मौका दिया जाएगा। चार साल में छह महीने की बेसिक ट्रेनिंग जाएगी। रिटायर होने पर इन युवाओं को डिग्री और सर्टिफिकेट दिया जाएगा। 'अग्निपथ' योजना में रिटायर होने वाले युवाओं की उम्र 21-22 साल होगी। यह योजना अमेरिका और इजरायल में पहले से लागू है।

अभी सेना में औसत उम्र 36 साल- 'अग्निपथ' योजना के बारे में बताते हुए लेफ्टिनेंट जनरल अनिल पुरी ने बताया कि 'अग्निवीर' नए जवान होंगे जो देश की सुरक्षा करेंगे। चार साल तक सेना में काम करने के बाद उनका बॉयोडेटा शानदार होगा। सेना में काम करने के बाद वे समाज में अलग दिखेंगे। पुरी ने कहा कि अभी सेना की औसत उम्र 32 साल है। आने वाले छह से सात सालों में यह उम्र सीमा घटकर 26 साल हो जाएगी। सेना में व्यापक बदलाव के लिए तकनीकी दक्षता एवं आधुनिक सोच रखने वाले युवाओं की भर्ती की जाएगी।